स्नातकोत्तर नगरीय नियोजन एवं विकास डिप्लोमा (PGDUPDL)

असाइनमेंट्स

(जुलाई 2026 एवं जनवरी 2027 सत्र)

विस्तार एवं विकास अध्ययन विद्यालय (School of Extension and Development Studies)
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU)
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय शिक्षार्थी,

प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको पाँच प्रश्नों वाला **एक असाइनमेंट** करना होगा। प्रत्येक असाइनमेंट **100 अंकों** का है तथा अंतिम मूल्यांकन में इसका **30% भारांक** होगा। आपके पंजीकरण के वर्ष अथवा सत्र की परवाह किए बिना, आपको विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध **नवीनतम असाइनमेंट** ही जमा करना होगा।

निर्देश

1. प्रत्येक असाइनमेंट के प्रथम पृष्ठ पर निम्नलिखित विवरण अवश्य लिखें:
    - नाम एवं पूर्ण पता:
    - नामांकन संख्या (Enrolment No.):
    - प्रवेश सत्र:
    - पाठ्यक्रम कोड:
    - पाठ्यक्रम शीर्षक:
    - क्षेत्रीय केंद्र:
    - अध्ययन केंद्र:
2. उत्तर लिखने के लिए A-4 आकार के सादे अथवा रूल्ड कागज़ का प्रयोग करें। कागज़ के दोनों ओर लिखें, उचित मार्जिन रखें तथा प्रत्येक पाठ्यक्रम के सभी पृष्ठों को सावधानीपूर्वक स्टेपल/बाँध दें।
3. प्रत्येक उत्तर के साथ संबंधित प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. उत्तर अपने **स्वयं के हस्तलेखन** में लिखें। केवल हस्तलिखित असाइनमेंट का ही मूल्यांकन किया जाएगा।
5. **जुलाई 2026 सत्र** के लिए असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि **31 मार्च 2027** तथा **जनवरी 2027 सत्र** के लिए **30 सितंबर 2027** है। (यदि तिथि में कोई विस्तार हो तो विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें।)
6. असाइनमेंट केवल निर्धारित अध्ययन केंद्र पर ही जमा करें। अंक ग्रेड कार्ड में प्रदर्शित होने तक असाइनमेंट की स्कैन की हुई प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।

दिशानिर्देश

1. योजना (Planning)

असाइनमेंट को ध्यानपूर्वक पढ़ें। संबंधित स्व-अध्ययन सामग्री तथा वेब संदर्भों का अध्ययन करें। प्रत्येक प्रश्न के लिए मुख्य बिंदु तैयार करें और उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें।

2. संगठन (Organization)

उत्तर को चयनात्मक एवं विश्लेषणात्मक बनाएं। प्रस्तावना (Introduction) और निष्कर्ष (Conclusion) पर विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या तथा उत्तर की रूपरेखा दें। निष्कर्ष में अपने उत्तर का सार प्रस्तुत करें।

3. सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर:

- (क) प्रत्येक प्रश्न के लिए लगभग **800 शब्दों** का हो।
- (ख) तार्किक, सुसंगत तथा वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध वाला हो।
- (ग) भाषा, अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुतीकरण की दृष्टि से शुद्ध एवं प्रभावी हो।

4. प्रस्तुतीकरण (Presentation)

जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तब अंतिम प्रति साफ-सुथरे ढंग से लिखें। जिन बिंदुओं पर विशेष बल देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित करें।

5. किसी भी शैक्षणिक सहायता अथवा स्पष्टीकरण के लिए संबंधित पाठ्यक्रम समन्वयक से संपर्क करें।

असाइनमेंट – 3

पाठ्यक्रम कोड: MEDS-043
अधिकतम अंक: 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **20 अंक** का है।

1. सतत विकास (Sustainable Development) को परिभाषित कीजिए। सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के स्थानीयकरण (Localization) में तेजी लाने के लिए संस्थागत बाधाओं (Institutional Bottlenecks) को दूर करने में लोक प्रशासन (Public Administration) की भूमिका का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

2. विकेन्द्रीकरण (Decentralisation) के प्रशासनिक, राजनीतिक एवं वित्तीय आयामों का वर्णन कीजिए। एक विकसित तथा एक विकासशील देश की वित्तीय विकेन्द्रीकरण व्यवस्था (Fiscal Decentralisation Architecture) का मूल्यांकन करते हुए स्पष्ट कीजिए कि संसाधनों की असमानता (Resource Asymmetry) स्थानीय स्वायत्तता (Local Autonomy) को किस प्रकार प्रभावित करती है।

3. भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई शहरी संरचनात्मक सुधार पहलों (Urban Structural Reform Initiatives) के प्रमुख स्तंभों का मूल्यांकन कीजिए। साथ ही, उन संरचनात्मक कमियों एवं कार्यान्वयन संबंधी अंतरालों (Implementation Gaps) का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए जो इनके अपेक्षित परिणामों में बाधा उत्पन्न करते हैं।

4. सामुदायिक आधारित आपदा प्रबंधन (Community-Based Disaster Management – CBDM) के मूलभूत सिद्धांतों का विस्तार से वर्णन कीजिए। शीर्ष-से-नीचे (Top-down) प्रशासनिक प्रतिक्रिया तंत्र से आगे बढ़कर समुदाय-नेतृत्वित (Community-led), लचीले (Resilient) जोखिम न्यूनीकरण ढाँचे की ओर संक्रमण हेतु सतत रणनीतियों पर चर्चा कीजिए।

5. पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (Environmental Management System – EMS) की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। उपयुक्त केस स्टडी के माध्यम से चर्चा कीजिए कि EMS ढाँचे को अपनाने से शहरी स्थानीय निकाय (Urban Local Bodies – ULBs) किस प्रकार पर्यावरणीय अनुपालन (Ecological Compliance) में सुधार, संसाधनों का अधिकतम उपयोग (Resource Optimization) तथा जलवायु जोखिमों (Climate Risks) के न्यूनीकरण में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।